26 मार्च 2023 : PIB विश्लेषण

विषयसूची:

1. पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह की दूसरी बैठक गांधीनगर में होगी:
2. प्रधानमंत्री ने LVM3 के सफल प्रक्षेपण पर NSIL, IN-SPACe और ISRO को बधाई दी:

1. पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह की दूसरी बैठक गांधीनगर में होगी:

सामान्य अध्ययन: 3

पर्यावरण:

विषय: संरक्षण पर्यावरण प्रदुषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।

प्रारंभिक परीक्षा: नमामि गंगे, जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन, अटल भूजल योजना, जल शक्ति अभियान, राष्ट्रीय जल मिशन।

प्रसंग:

- गांधीनगर में आयोजित हो रही G-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ECSWG) की दूसरी बैठक में 11 आमंत्रित देशों और 14 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ G-20 सदस्य देशों के 130 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

उद्देश्य:

- 27 मार्च 2023 से आरंभ हो रही इस तीन दिवसीय (27-29 मार्च 2023) बैठक में भूमि क्षरण को रोकने, पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में तेजी लाने और जैव विविधता को समृद्ध करने, संसाधन दक्षता और चक्रीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने और जलवायु के अनुकूल ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने जैसे विषयगत क्षेत्रों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

विवरण:

- बैठक में नमामि गंगे, जलवायु के अनुकूल अवसंरचना, सहभागितापूर्ण भूजल प्रबंधन, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन जैसी प्रमुख पहलों पर विशेष प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।
- बैठक के भाग के रूप में आयोजित भ्रमणों के दौरान प्रतिनिधियों को आधुनिकता और परंपरा का मिश्रण देखने का अवसर मिलेगा।

- प्राचीन बावड़ी **अडालज वाव** में भारत की प्राचीन जल प्रबंधन पद्धतियों का प्रदर्शन किया जाएगा और साबरमती साइफन में भारत की इंजीनियरिंग कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा।

- सम्मेलन का आरंभ जल शक्ति मंत्रालय के नेतृत्व में जल संसाधन प्रबंधन पर एक साइड इवेंट के साथ होगा, जिसमें G-20 सदस्य देश इस विषय के संबंध में सर्वोत्तम पद्धतियों पर प्रस्तुतियां देंगे।
- बैठक के दौरान जल शक्ति मंत्रालय के तहत विभिन्न संगठन अटल भूजल योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान, राष्ट्रीय जल मिशन आदि विषयों पर स्टाल लगाएंगे और प्रतिनिधियों को अपने उच्च गुणवत्ता वाले कार्यों की जानकारी देंगे।
- ECSWG की दूसरी बैठक सतत और लचीले भविष्य के प्रति G-20 देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रयासों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से प्रत्येक के तहत परिणाम प्राप्त करने और सभी के लिए स्थायी भविष्य प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण तथ्य:

1. प्रधानमंत्री ने LVM3 के सफल प्रक्षेपण पर NSIL, IN-SPACe और ISRO को बधाई दी:

- प्रधानमंत्री ने वन वेब इंडिया-टू मिशन के LVM 3-M3 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के लिए NSIL, IN-SPACe और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो को बधाई दी है।
- प्रधानमंत्री ने कहा की यह आत्मानिर्भरता की सच्ची भावना के अनुरूप विश्व स्तर पर वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवा प्रदाता के रूप में भारत की अग्रणी भूमिका का परिचायक है।
- 26 मार्च 2023 को भारत ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से वन वेब इंडिया-टू मिशन के 36 उपग्रहों के साथ LVM 3 -M3 उपग्रह प्रक्षेपित किया गया था।
- वनवेब नक्षत्र ग्रह के चारों ओर उपग्रहों का एक नेटवर्क है जिसका उद्देश्य दुनिया भर में ब्रॉडबैंड सम्पर्क प्रदान करना है।

  - प्रक्षेपण के बाद इसरो के अध्यक्ष, सोमनाथ ने कहा कि वन वेब इंडिया-2 श्रृंखला के पहले 16 उपग्रहों को योजना के अनुसार सही कक्षा में भेजा गया है और शेष 20 उपग्रहों को भी जल्द ही स्थापित कर दिया जाएगा।
- ब्रिटेन की नेटवर्क एक्सेस एसोसिएट्स लिमिटेड (वनवेब ग्रुप कंपनी) ने पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में 72 उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के साथ एक करार किया है। इस करार के तहत यह वनवेब के लिए दूसरा प्रक्षेपण था।
- वनवेब ग्रुप कंपनी के लिए पहले 36 उपग्रह 23 अक्टूबर 2022 को प्रक्षेपित किए गए थे।
- वनवेब अंतरिक्ष से संचालित एक वैश्विक संचार नेटवर्क है जो सरकारों एवं उद्योगों को सम्पर्क की सुविधा मुहैया कराता है।
- इसरो ने कहा, "एलवीएम3-एम3/वनवेब इंडिया-2 मिशन पूरा हो गया है। सभी 36 वनवेब जेन-1 उपग्रहों को निर्धारित कक्षाओं में स्थापित कर दिया गया है। LMV3 अपने लगातार छठे प्रक्षेपण में पृथ्वी की निचली कक्षा में 5,805 किलोग्राम पेलोड लेकर गया था।"
- 26 मार्च 2023 का यह प्रक्षेपण वनवेब ग्रुप कंपनी का 18वां प्रक्षेपण था, जबकि इसरो के लिए 2023 का यह दूसरा प्रक्षेपण है।
- इससे पहले फरवरी में SSLV/D2-EOS07 का सफल प्रक्षेपण किया गया था।
- इस प्रक्षेपण के साथ ही वनवेब द्वारा पृथ्वी की कक्षा में स्थापित उपग्रहों की संख्या बढ़कर 616 हो गई, जो इस साल वैश्विक सेवाएं शुरू करने के लिए पर्याप्त है।
- वनवेब ने कहा कि यह मिशन भारत से वनवेब द्वारा उपग्रहों का दूसरा प्रक्षेपण है, जो ब्रिटेन और भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के बीच संबंधों को दर्शाता है।
- वनवेब भारत के न केवल उपक्रमों, बल्कि उसके कस्बों, गांवों, नगर निगमों और स्कूल समेत उन क्षेत्रों में भी सुरक्षित संपर्क सुविधा मुहैया कराएगा, जहां तक पहुंच बनाना मुश्किल है।
- यह LMV3 का छठा प्रक्षेपण है। इसे पहले इसे 'जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीककल MK-III' के नाम से जाना जाता था।